International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, Feb 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

"भारतीय जनसंघ का भारतीय जनता पार्टी तक का सफर–हरियाणा प्रदेश के संदर्भ में एक अध्ययन"

सोनिका
शोधार्थी
राजनीतिक विज्ञान शास्त्र,
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय,
रोहतक

शोध सार

प्रस्तुत शोध पत्र में संयुक्त पंजाब एवं स्वतन्त्र हरियाणा प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनसंघ की भूमिका को दर्शाया गया है इसके अतिरिक्त भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय एवं योगदान, पार्टी में जनसंघ पर दोहरी सदस्यता के आरोप के पश्चात् नवनिमि्त दल भारतीय जनता पार्टी बनने तक के सफर का अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द *:* संयुक्त पंजाब, भारतीय जनसंघ, राजनीति।

उद्देश्य : संयुक्त पंजाब में भारतीय जनसंघ का राजनीतिक योगदान एवं जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी बनने तक के सफर का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि : प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीक आंकड़ों का प्रयोग किया है इसमें साक्षात्कार, समाचार–पत्र, पुस्तकें और इटरनेट आदि का प्रयोग किया है।

भूमिका

भारत में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 ई० को हुई थी। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना जनता पार्टी से *'दोहरी सदस्यता'* के मुद्दे को लेकर अलग होने के बाद हुई थी। भारतीय जनता पार्टी पूर्व पार्टी भारतीय जनसंघ की ही उत्तराधिकारी है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, Feb 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories
Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जनसंघ के नेताओं ने ही जनता पार्टी से अलग होने के पश्चात् भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की।[1] भारतीय जनता पार्टी की स्थापना श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की अध्यक्षता में हुई।

भाजपा की स्थापना :

राष्ट्रीय स्तर पर इसकी घोषणा करने के साथ–साथ प्रादेशिक स्तर पर भी विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की इकाईयों का गठन किया गया। हरियाणा भी एक राज्य था जहाँ पर भाजपा की प्रदेश इकाई का गठन किया गया। हरियाणा में भाजपा की राज्य इकाई का गठन करने का श्रेय डॉ० मंगलसेन को जाता है। पूरे भारत वर्ष की तरह भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से पूर्व भारतीय जनसंघ हरियाणा की राजनीति में भी एक महत्वपूर्ण दल के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा था। केवल इतना ही नहीं भारतीय जनसंघ संयुक्त पंजाब में भी एक स्थापित व प्रसिद्ध राजनीतिक दल था। संयुक्त पंजाब में होने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भारतीय जनसंघ द्वारा चुनावों में प्रत्याशी उतारे जाते थे।[2] इसके प्रत्याशी उल्लेखनीय मत भी प्राप्त करते थे। जिनका ब्यौरा इस प्रकार से है–

1. **1952 के विधानसभा चुनाव** :– 1952 के विधानसभा चुनावों में जनसंघ के सात उम्मीदवार प्राप्त मतों की संख्या के आधार पर दूसरे स्थान पर रहे।
2. **1957 के विधानसभा चुनाव** :– 1957 के विधानसभा चुनावों में हरियाणवी विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनसंघ के तीन प्रत्याशी विजेता रहे जबकि नौ प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे।
3. **1962 के विधानसभा चुनाव** :– सन् 1962 में संयुक्त पंजाब के हरियाणवी विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनसंघ के चार उम्मीदवार विजयी हुए और नौ उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, Feb 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भारतीय जनसंघ के लिए ये सभी चुनाव परिणाम बहुत महत्वपूर्ण थे क्योंकि उस दौरान निर्विवाद रूप से कांग्रेस सबसे बड़ा राजनीतिक दल था। अधिकतर बड़े राजनेता भी काँग्रेस में ही अपनी निष्ठा रखते थे। अर्थात् हम कह सकते हैं कि संयुक्त पंजाब में भी काँग्रेस पार्टी व उसके राजनेताओं ने भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पर अपना नियंत्रण बनाया हुआ है।[3] 1 नवम्बर 1966 को संयुक्त पंजाब से अलग होकर हरियाणा एक पृथक प्रदेश बना।

संयुक्त पंजाब से अलग होने के पश्चात् बने नए प्रदेश हरियाणा में भी भारतीय जनसंघ एक महत्वपूर्ण राजनीतिक दल के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहा। समय–समय पर हुए विभिन्न चुनावों में भारतीय जनसंघ महत्वपूर्ण मत प्राप्त करता रहा। हरियाणा का प्रथम विधानसभा चुनाव 1967 में कुल 81 सीटों पर सम्पन्न हुआ। भारतीय जनसंघ ने कुल 12 सीटें प्राप्त की और 14.39 प्रतिशत मत प्राप्त किए। इसी प्रकार 1968 में हुए विधानसभा मध्यावधि चुनावों मे भी कुल 81 सीटों में से भारतीय जनसंघ ने 7 सीटों पर जीत हासिल की और 10. 45 प्रतिशत मत प्राप्त किए। सन् 1972 के विधानसभा चुनाव में भी कुल 81 सीटों पर मतदान सम्पन्न हुआ। जिसमें भारतीय जनसंघ को केवल 2 सीटों पर जीत हासिल हुई लेकिन उल्लेखनीय रूप से 14.39 प्रतिशत मत प्राप्त किए जो कि काँग्रेस के बाद किसी भी राजनीतिक दल को प्राप्त होने वाले मतों में द्वितीय स्थान पर थे।

काँग्रेस की प्रमुख नेता इंदिरा गाँधी द्वारा देश पर जबरन थोपे गए आपातकाल के बाद भारतीय जनसंघ व अन्य पार्टियों ने मिलकर एक नए राजनैतिक दल जनता पार्टी का गठन किया ताकि काँग्रेस की दमनकारी नीतियों का सामना किया जा सके और संवैधानिक संस्थाओं को बचाया जा सके। जनता पार्टी के गठन में भारतीय जनसंघ एक प्रमुख घटक था। इन चुनावों में जनता पार्टी ने काँग्रेस को धूल चटाई और कुल 90 विधानसभा सीटों में से 75 सीटों पर जनता पार्टी ने जीत हासिल की। काँग्रेस को मात्र 3 सीटों तक सीमित कर दिया।[4] प्रदेश में जनता पार्टी के नेतृत्व में सरकार का गठन किया गया। जनता पार्टी की यह सरकार

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, Feb 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सत्ता प्राप्ति के लिए अंदरूनी स्पर्धा की शिकार हो गई इसी दौरान जनता पार्टी में शामिल भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ताओं के विरुद्ध *'दोहरी सदस्यता'* का मुद्दा उठ खड़ा हुआ। जिसमें जनसंघ के लोगों से मांग की गई कि वह लोग जनता पार्टी को छोड़ें या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपने सम्बन्ध समाप्त करें। इस मुद्दे पर जनसंघ के नेताओं ने जनता पार्टी को छोड़ दिया और पंच–निष्ठाओं के आधार पर 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी के नाम से एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल बनाया।[5]

अतः विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की प्रादेशिक इकाईयां भी बनाई गई। हरियाणा में भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता डॉ० मंगलसेन की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि श्री अटल बिहारी वाजपेयी की गरिमामयी उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा इकाई का 2 मई 1980 को अधिवेशन रोहतक शहर में किया गया और डॉ० मंगलसेन ने एक नारा भी दिया ***"मंगल भवन अमंगल हारी, दरब हू सुदशरथ अटल बिहारी"*** [6]

भाजपा की राज्य इकाई के गठन के लिए जनसभा का आयोजन छोटूराम धर्मशाला नामक स्थान पर शाम के समय किया गया। इस जनसभा में मुख्यातिथि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी थे, व अन्य प्रमुख स्थानीय नेताओं प्रदेशाध्यक्ष डॉ० कमला वर्मा, श्री परमानन्द तुल्ली, हुक्मचन्द गोयल, रामकेश तायल, रामभरोसे गोयल, सीताराम सिंगला, मायाराम सैनी,, श्री रामविलास शर्मा, सुंदरलाल सेठी, शिव प्रसाद, रामलाल वधवा आदि शामिल थे। इसी दिन डॉ० कमला वर्मा को भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा इकाई की प्रथम प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया[7] और श्री माया किशन को भारतीय जनता पार्टी का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। रोहतक में रेलवे रोड़ स्थित जनता बूट हाऊस नामक दुकान के प्रथम तल पर भारतीय जनता पार्टी का जिला कार्यालय बनाया गया।[8] इस समय भाजपा का प्रदेश कार्यालय जिला करनाल में कर्ण गेट नामक स्थान पर बनाया गया। डॉ० मंगलसेन के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा इकाई ने हरियाणा प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत किया। जिसके

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 2, Feb 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories
Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

परिणाम स्वरूप वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़कर पूर्ण बहुमत प्राप्त करके हरियाणा में सरकार चला रही है और हरियाणा में प्रगति के नित नये आयाम स्थापित कर रही है।

निष्कर्ष :

शोध अध्ययन के पश्चात् स्पष्ट पता चलता है कि भारतीय जनसंघ ने हरियाणा की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है व आपातकाल के दौरान एवं पश्चात् भारतीय जनसंघ राजनीति में केन्द्रिय भूमिका में था अतः स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि हरियाणा प्रदेश में जनसंघ एक महत्वपूर्ण राजनीतिक दल था। भारतीय जनसंघ के पश्चात् हरियाणा प्रदेश में वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई अतः शोध–पत्र से भारतीय जनसंघ के चुनाव चिन्ह 'दीपक' से भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' तक के शानदार सफर की जानकारी मिलती है।

सन्दर्भ सूची

1 भारतीय जनता पार्टी का इतिहास सन् 1951–2014, भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यालय, पं० दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

2 साक्षात्कार जगदीश कुमार सैनी, राजनैतिक सचिव, डॉ० मंगल सेन (1985–1990), वर्तमान में प्रदेश संयोजक बूथ संकलन हयिाणा भाजपा, प्रदेश कार्यालय भाजपा, रोहतक

3 मानसिंह वर्मा अध्यक्ष, हरियाणा प्रैस क्लब एवं राजनीतिक संपादक, हिसार

4 हरियाणा का राजनीतिक इतिहास (1966–2005) हरियाणा मंच, हरियाणा लघु समाचार पत्र ऐसोसिएशन, हिसार पृ० संख्या 12–13

5 पूर्वोक्त भारतीय जनता पार्टी का इतिहास (1951–2014)

6 साक्षात्कार जगदीश कुमार सैनी, राजनैतिक सचिव, डॉ० मंगल सेन (1985–1990), वर्तमान में प्रदेश संयोजक बूथ संकलन हयिाणा भाजपा, प्रदेश कार्यालय भाजपा, रोहतक

7 साक्षात्कार श्री जगदीश सैनी, भाजपा प्रदेश कार्यालय, रोहतक

8 साक्षात्कार श्री श्याम सुंदर पसरीजा, पूर्व प्रवक्ता, (वाणिज्य विभाग) हिन्दू कॉलेज, रोहतक